स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २६२ वि.सं. २०८३ बैशाख ०७ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 20 April 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

रानीकुन्डाके २१ मुक्तकमैयाहे सुरक्षित आवास हस्तान्तरण

कैलालीके बर्दगोरिया गाउँपालिका वडा नम्बर ३ रानीकुन्डाके २१ मुक्तकमैयाहे सुरक्षित आवास हस्तान्तरण करजैटी ।

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ६ बैशाख । कैलाली जिल्लाके बर्दगोरिया गाउँपालिका वडा नम्बर ३ रानीकुन्डाके २१ मुक्तकमैयाहे सुरक्षित आवास हस्तान्तरण कैगिल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार, भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, बर्दगोरिया गाउँपालिका ओ ह्यावीट्याट फर ह्यूमानिटी नेपालके सहकार्य (राष्ट्रिय दलित नेटवर्कके सामाजिक परिचालन) मे रानीकुण्डाके मुक्तकमैया परिवारके लाग निर्मित २१ ठो सुरक्षित आवास अँटवारके रोज एक कार्यक्रमके विच हस्तान्तरण कैगिल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारक भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयक मन्त्री विरबहादुर थापा लाभग्राही मुक्तकमैया परिवारहे सुरक्षित आवास निर्माण हुइल कागजातके प्रमाणपत्र हस्तान्तरण करल रहिट ।

मुक्त कमैयाके लाग बनागिल सुरक्षित आवासके कुल लागत रु.१ करोड ४७ लाख ६९ हजार ५३४ रुप्या २६ पैसा रहल बा। जेम्न भुमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयके सर्शत अनुदान तथा वर्दगोरिया गाउँपालिकके संयुक्त लगानी रु. ७१ लाख ८४ हजार रहल बा ।

वसहेक ह्यावीट्याट फर ह्यूमानिटी नेपाल ओ राष्ट्रिय दलित नेटवर्क नेपालके (सुरक्षित परियोजना) रु. ५२ लाख ५० हजार रहल बा । सुरक्षित आवास बनाइक लाग समुदायके जनश्रमदान लागत रु. २३ लाख ३५ हजार ५३४ रुप्या २६ पैसा रहल बा ।

सुरक्षित आवास हस्तान्तरण कार्यक्रममे बोल्टी मन्त्री विरबहादुर थापा सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार प्रदेशमे रहल मुक्तकमैया, हलिया पुनर्स्थापनाके लाग तयार रहल बटैलै । उहाँ कहलै, मुक्तकमैया, कमलरी, हलियाके तथ्याङक तथ्याङक ल्यानी तिनु तहके सरकार सवन्वय करी ओ पुनस्थापना कैना कटरा रुप्या लागी एक फेरा लाग पुनर्स्थापना करब । जौन प्रदेशमे बनल कार्यविधिमे व्यवस्था कैले बा ।

कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके पूर्व भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्री रमेश्वर चौधरी आपन पालामे मुक्तकमैया, कमलरी, हलिया पुनर्स्थापना कार्यविधि ल्यानल ओरसे पुनर्स्थापना कैना डगर खुलल बटैलै । उहाँ सुदूरपश्चिम प्रदेश ८८ स्थानीय तह मन्से ढेर पालिकामे यी कार्य विधि नैबनल ओरसे हाली बनैना आग्रह करलै ।

बर्दगोरिया गाउँपालिकाके अध्यक्ष कर्णबहादुर कुवँर अपने बर्दगोरियामे रहल सक्कु मुक्तकमैयाहे पुनर्स्थापना कैना तयार रहल बटैलै । उहाँ कहलै, गाउँपालिका भिटर रहल मुक्तकमैया, हलिया, कमलरीहुकनहे जौनफे आर्थिक, नैतिक सहयोग कैना तयार बा । उहाँहुकनके घर प्रदेश सरकारसे समन्वय करके बनैना तयार बा ।

ह्यावीट्याट फर ह्यूमानिटी नेपालके पश्चिम प्रमुख पुनिता चौधरी अपनहुक्के अभिनसम मुक्तकमैया, हलिया ओ विपन्न वर्ग भुमिहिनके लाग २५२ ठो सुरक्षित आवास घर बनासेकल बटैली । उहाँ नयाँ घर निर्माणसंगे मुक्तकमैया, हलिया ओ विपन्न वर्ग भुमिहिनके घरहे मर्मत सम्भारके लागफे आघे बह्रल बटैली ।

रानीकुण्डाके मुक्तकमैया परिवारमे महिलाहुक्के केल्ह डेखा परल ओरसे रहल जग्गामे आयआर्जनमे ध्यान डेना आग्रह करली । आरडिएनके केन्द्रीय अध्यक्ष मोहन वड प्रदेश सरकार, स्थानीय तह, सस्था ओ स्थानीयहुकनके सहकार्य ओ समन्वयमे घर सुरक्षित आवास निर्माण हुइल बटैलै । लाभाग्राही मुक्तकमैया सुक्ली देवी चौधरी, सिङगी (बाँकी, ३ पेजमे)

लडियामे अन्डा परटी दुर्लभ घडियाल

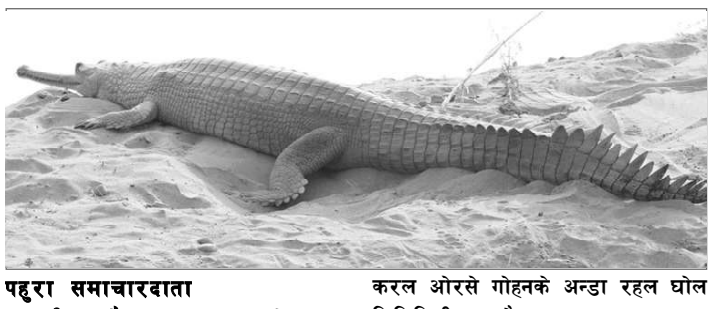

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ६ बैशाख । संरक्षण क्षेत्रबाहर रहल कैलालीके तीन लडियामे दुर्लभ घडियाल अन्डा पटरी रहल स्थानीय संरक्षणकर्मी बटैले बटै ।

मोहना, पथरैया ओ कर्णाली लडियामे इ बरस फेन घडियाल गोह घोल बनाके अन्डा परटी रहल उहाँहुक्के बटैले बटै । चैत–वैशाखमे घडियाल गोह अन्डा डेना सिजन मानजाइठ् । इ सिजनमे लडियामे कम्तीमे फेन १५/१६ ठो पोथी घडियाल डेख परल जनैटी डल्फिन संरक्षणकर्मी भोजराज ढुङ्गाना ढेर जैसिन अन्डा पारसेकल ओ कतिपय आभिन फेन घोल बनाइक लाग परीक्षण करटी रहल फेला परल बटैलै ।

"घडियाल घोल बनैनासे पहिले बालु, तापक्रम, परिवेश सक्कु परीक्षण करठै," उहाँ कहलै, "ढेर ठाउँमे घोल बनाइक लाग जाँच करल डेखल बा । ओइने अन्डा पारसेकल बटै ।" घडियाल गोह तापक्रमसे सक्कु चिज मिलल् उपयुक्त ठाउँमे किल अन्डा डेना करल जनाइल बा । घडियाल सक्कु अन्डा अक्केसँग पर्ना ओ भँठ्ना करल ओरसे गोहनके अन्डा रहल घोल सिटिमिटी पटा नैहुइना करल जनाइल बा । पाछे बच्चा निकारसेकलपाछे ढेर जैसिन घोल पटा हुइना करल ढुङ्गाना बटैलै ।

पुस/माघमे प्रजनन क्रियापाछे पोथी घडियाल चैत/वैशाखओर अन्डा पर्ना करल जनाइल बा । गोह लडियक किनार बालुमे घोल बनाके ओम्ने अक्केचोटमे ४० ठोसम अन्डा डेना करल संरक्षणकर्मी विजयराज श्रेष्ठ बटैलै । खटहामे अन्डा भाँठके गोह फेनसे जलाशयमे जैना ओ बच्चा नैनिकरटसम घरी घरी घोलसम पुगके रेखदेख कैना करल जनाइल बा । उपयुक्त तापक्रम हुइलपाछे ६० से ९० दिनके बिचमे अन्डा अपने फुटके बच्चा निकरना बटाइल बा ।

अन्डा अपनहे फुटके निकरल बच्चाहे डाइ आपन शरीरमे चहुँराके पानीमे आहारविहार करैना ओ हुकैना करठै । लोप हुइना अवस्थामे पुगल घडियाल गोह नेपालमे कम संख्यामे रहल बटाइल बा । राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ से घडियालहे संरक्षित सरीसृप वन्यजन्तुके सूचीमे रख्ले बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

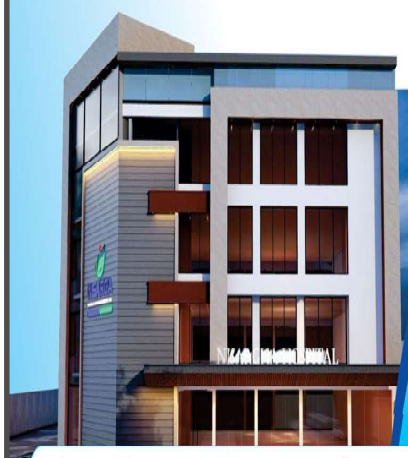

Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ
रेडियोलोजी विशेषज्ञ
न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट
हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ
जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ
नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ
मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ
मुटु रोग विशेषज्ञ

२४ घण्टा आकस्मिक सेवा
सिटी स्क्यान सेवा
फिजियोथेरापी सेवा

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अभिभावकके निगरानी नैरहल बालबालिका जोखिममे

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, ६ वैशाख । अभिभावकके निगरानी नैहोके बालबालिका बिग्रना करल बटै ।

छावाछाइ पहैना कहिके डाइबाबा बिदेस जैना मने घरमे अधिकांश बालबालिका पहबे नैकैना रहल बटै ।

कुछ अभिभावक कामके लाग भारत जाइबर बालबालिका फेन लैजैना ओ फेनसे लानके पहाइ खोजेबर उमेर ढेर होके तथा पहाइमे ध्यान नैडेहल अभिभावक गुनासो करले बटै ।

ओइसीक बिगरल बालबालिका बरवार हुइलेसे फेन श्रम करे भारत जैना या कुलतमे लागकके सुधारगृहमे राखे पर्ना अवस्था आइल बा । "प्रविधिके विकास ओ सामाजिक परिस्थितिसे बालबालिका ढेर जोखिममे रहल बटै," टीकापुर नगरपालिका-८ के वडाध्यक्ष दीर्घबहादुर ठकुल्ला कहलै, "जौन बेला असल अभिभावकके खाँचो रहठ् उहे बेला अभिभावक सन्तानहे आफन्तकहाँ छोरके रोजगारीमे गैल रहठै, ओइनहे कैसिक जोगैना ?," वडा नम्बर ७ के वडाध्यक्ष यज्ञप्रसाद न्यौपाने सामाजिक सञ्जाल छाडा ब, वहाँ बालबालिकाके सहजै पहुँच बा ओ उहीहे व्यवस्थापन कैना नीति बनैना ढिला हुइल बटैलै ।

टीकापुर नगरपालिका-९ के अभिभावक सीता दहित बिदाके बेला फुर्सद पैना हुइल ओरसे बालबालिका लहलहैमे लग्ना करल ओ आब हप्तामे दुई दिन बिदा हुइबर व्यस्त राखे नैसेक्लेसे झन् सम्हर्ना कर्रा हुइना बटैलै । यहाँस्थित सेतीमैयाँ मावि झुङ्गाके प्रधानाध्यापक पतिराम चौधरी ४० प्रतिशत बालबालिकाके डाइबाबा बरसममे कौनो न कौनो सिजन बाहर बैठ्ना करल, बुडीबुडहे वा नाटपाटनहे बालबालिका नैटेर्ना करल बटाइल बा ।

ओस्टके त्रिभुवन मावि बटनपुरके प्रधानाध्यापक रवीन्द्र कठायत विद्यालय छोरलहे भिट्त्र्याइना कोसिस सफल हुइल मने कक्षा ८ ओ ९ के विद्यार्थीहे ड्रग्ससे बचाइ नैसेकल बटैलै । उहाँ कहलै, "कक्षा ८ ओ ९ मे ढेर विद्यार्थी बिग्रे लागल कहिके अभिभावक गुनासो करटी रहल बटै मने बिगरसेकलपाछे कुछ नैकरे सेकजाइठ् ।"

यहाँ कार्यरत गैरसरकारी संस्था विकासके लाग युवा ऐक्यबद्धता (यार्ड) के कार्यक्रम संयोजक पीताम्बर पौडेल डाइबाबा साथमे नैरहल बालबालिका ढेर जोखिममे रहल ओ बालबालिकाके स्कुल छोर्ना दर बहटी गैल बटैलै ।

सकारात्मक अभिभावकत्व शिक्षा डेना, आत्मरक्षा तालिम, बाल सहभागिता वृद्धि कैके बालबालिकाहे सुरक्षित बनाइ सेकजैना पौडेलके अनुभव रहल बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्कनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्कनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्कनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

नारीवादी दृष्टिकोणके आधारम बुढनी उपन्यासके विश्लेषण

मानबहादुर चौधरी "पन्ना"

लेखके बाँकी अंश

बरघर, बुहाइल चौधरिया, सूर्या ओ बुढनी घर ओहर घुम्ठ । यि घटनाले बुढनीक चारुओर चर्चा हुइठिस् ।

गाउँम सबजे मिल्क बर्खै हृया कुल्वापानीक लाग कचेहेरी कर्ठ । बुढनीक बाबा गाउँक कुल्वापानीक लौव बरघर बनठ । गाउँक मनै मिल्क कुल्वा मुरा सओर्ठ । बर्खा ओराइठ् । अनाज बाली फे मजा फर्ठिन् । मजा बालीनाली हुइलक कारण सब गाउँक मनै खुस रठ । माघ आइठ, माघम सबजे रमैठ । माघक एक अठ्वार पाछ रज्वक सिपाही बहुट ढेर घोरी, हाठहठियारसहित लहृर्या लेक गाउँम अनाज उठाए आइल रठ । गाउँक मनै सबजे कर टिर्ल रठ । तब्बो फेन सिपाही अनाज लैजैना अडान कर्ठ । गाउँक मनै बिरोध कर्ठ । एकठो बुहृर्वा रसिद डेखैटि कहट 'हम्र कर टिर्ल बाटि । आब का ख्वाजटो ?'

सिपैहृया कहट 'जवाफम ऊ त पुरान नियम हो । असौ बहुट अनाज उब्जैल बाटो । यि खालि लहृर्या भराऊ बराबर हुई ।' गाउँक एक जवान बोलठ 'यि त हम्रहिन मारा परि' बात सुन्टिकी सिपैहृया कोर्रा लगाइक लाग रहठ ते बुढनीक बाबा रोकठ् । एकठो बुहृर्वा गाउँक मनैन सम्झाइठ् । लुटल अनाज मै आनम टुह घर घर जाउ कहठ् ।

सिपाहिनके टोली लहृर्या लेक बाबा बघवा बैस्ना बन्वा हुइटि जैठ । यि बात बाबा बघवा पत्ता पैल रहठ् । रातिक समयम बाबा बघवा सिपाहिनके डफ्फाम आक्रमण करठ् । कैयौ सिपाहीनके ज्यान जैठिन् । ओहर रज्वकठे गाउँ हुइलक घटनाके खबर पुग्ठिस् । भागाभाग हुइठिन् । लहृर्या बिल्टठिन् । यि बात सूर्याहे पता हुइठिस् । ओहमार उ आपन छाइ बुढनीह बाबा बघवाह भेट कर पठाइठ । रातिक समयम बुढनी बन्वा पुगठ ओ बाबा बघवासे बातचित करठ् । बाबा बघवा सिपाहिन्से लराइ कर्लक कारण घहिल हुइल रहठ् । बाबा बघवा बुढनीसे ढेर बात करठ् । मनैन्के लोभ लालचीके बारेम अरठ डिहट् ।

ओहर रज्वकठे गाउँम हुइलक घटनाके खबर पुग्ठिस् । लहृर्या बिल्टल, नोकर घायल हुइल खबरले रज्वा थप सौठो सिपाहिन्के टोली पठाइल । बाबा बघवाके बैस्ना बन्वाम घेरा डर्ठ लेकिन पत्ता लगाइ निसेक्ठ । करिब एक महिनापाछ रज्वक सिपाही गाउँ छोर्क जैठ । दुसर महिनाओहर बुढनी बन्वाम जाइठ तर बाबा बघवाके भ्याट नै हुइठिन् । रज्वक कमाण्डर बाबा बघवा बैस्ना बन्वाके आसपासम डरवाम लौव बस्टि बैसाइट् । गाउँ ऊ चौर खुला सझ्या रहठ् । बनके जिब जिन्वार गाउँक गोरु बछरु चहर्ना करठ् ऊ ठाउँम । लौव बस्तीक मनैया एकदिन उ डरवा ज्वाट भिरल रहठ् तब्बेहे बुढनी किसन्वासे ठोलिबोलि हुइठिन् । पुरान बरघर फे किसन्वा उपर बिरोध करठ् । 'यि डरवा गाउँक सझ्या हो, बन्वक जिबजनावर फे चहर्ठ । बालि लगाइक लाग खेट्वा बनाइ निसेक्जाइ ।' कैक किसन्वाह दबाब डिहट् । लौव बस्टिक मनै रज्वक ठे उजुर कर जिठ । तर रज्वा तत्काल सिपाही निपठाइट् । बुढनी लौव बस्टिक मनैनके आँखिक किरकिट् बनल रहठ ।

रज्वा लौव बस्टिक किसनोन पचास ठो गैया डेहट् । रज्वा पुरान बस्टिक मनैन कमजोर बनैना रणनीति बनैल रहठ । डाइबाबा बुढनीह रज्वक शोषण सामन्तीपनके बारेम सिखैठिस् । रज्वा एकठो मुरट हो । ओकर धर्माधिकारी, कमाण्डर, वकिलनके माध्यमसे लुट्ना एकठो सामन्ती वर्ग हो कना बटोइठ । बुढनी चाहिँ कसिक रज्वा अधिपति, धर्माधिकारीसे बदला लेना सोच ओ भित्र भित्र योजना बनैटि रहठ । लौव बस्टिम डिहल गैया किल रलहिन् । एकठो फे बछ्वा अर्थात बर्छा नैरलहिन् । बुढनी आपन चाँदहे हुकहनके गैयासे लग्घ हुवाए नेउह । किसान करिब एक बरस गैया पल्ठ, पानी पिवैठ । गोब्रक घुरौराबाहेक कुछ नैमिलिठ्न् । गाउँक डरवाम गैया चह्राए गैल ब्याला चाँद गैयनसे छेहुवारी लागठ । सब गैयन कुछ समय पाछ बछरु पैठ । लौव बस्टिक मनै बहुट खुस रठ । गैया डुढ डिह लगिठ्न् ।

करिब तिन महिना पाछ बुढनी गाउँक सारा बछरु नुकाक रातिक समयम घरसे भागठ ओ चाँदह फे सँगे भगाइठ । यि बात लौव बस्तीक मनै पता पैठ त बुढनीक पर रिसेटि बुढनीहे मारेक टन खोज जिठ । लौव बस्टिक एकठो मनैया आख्खरके बोलल त बुढनी फे मुक्का पार्के मुक्याडेहम कैके हिम्मत करठ् । लौव बस्टिक मनै बुढनीहे चोर डेखैटि । हमार बछरु फिर्ता डेऊ कैक बुढनीक पख्रा पत्रठ तर बुढनी एक्को नाडराक बेवां लजरले हृयारट् । सारा रिसक मार लाल हुइल रठ । बुढनी रज्वक दरबारमे पुग्सेक्ल रहठ । उ आपन न्यायके लाग अधिपतिसे निवेदन करठ् । हिक्र चोर हुँइट । उल्ट महि चोरि लगाइट । ओहमार न्याय खोज यहाँ आइल बटु ।

लौव बस्टिक मनै बुढनीहे पचासठो लौव बछरु चोरैलक आरोप कैयो चो डोहोऱ्या डोहोऱ्या कहटलहिस् । बुढनी नि डराके कहठ्– बछरुके डाइ केहो ? महि पता नैहो । यि सब बछरुके बाबा मोर चाँद हुइलक कारण सारा बछरु मोर हुइट । कानुन सबके लाग एक हुई काहु । यिहिसे आघ एकठो कौवा डाइ आपन बच्चाके लाग न्याय माग आइलम टोहनके ढरमपोठी कानुन बिया डरुइया बाबा हुइलक कारण बच्चा बाबक हुइलक फैसला सुनैलो । एकठो डाइक आपन लर्का अछिनगिल रह । उ दिन कलहो कि लर्का बाबक लागठ । आज यि सब बछरुन्के बाबा चाँद हो ओहमार सब बछरु मोर हुइट ।'

बुढनीक बातले लौव बस्टिक मने खुसफुसाइ लग्ठ । धर्माधिकारी अन्कनाइठ ओ ठर्ठराइठ । मै ओह बुढनी हुइटुँ । केक्रो डर ढम्किले नैडरैठु । बुढनी ऊ किताब लब्डाइल धर्माधिकारीक नाकेम लागखन छिट्राबिडिन् हुइठ । ऊ किताबके पन्नामे कुछ अक्षर नैरहठ, पियर रङके पन्ना ऊ बिटोर लागठ । ओकर नाकेमसे रकट पन्नामे चुहटि जैठिस् ।

केयट ओ बुढनीक छाइ डरबारम पुग रठ । टोहनके ऊ किटाब झुठके हठियार हो कैक लिज्जि अधिपतिह कहठ । ऊ टरेसे उपर मुन्टि नैकराइट् । छाइडाइनके ओ केयतसे उक्वारभ्याट हुइठिन् । बुढनी लौव बस्टिक मनैन कहट 'मै ओत्रा निच नैहुइटुँ जत्रा महिन टुह सोच्ठो । डाइसे लर्कन अलग करैना पिरा महि पता बा । टुहनके बछरु टुहिनके घरक लग्गे नुकाइल बटा । बन्वामे जहाँ बाबा बघवा वेपत्ता हुइल रह । बछरुन् ओइनके डाइकठे लैजाऊ ।' बुढनीक बात सुन्के लौव बस्टिक मनैनके अन्हार अजरार हुइठिन् । बड्रि करिया रहठ एकघचिक आँढिबौखा आइट पानी बर्सट । सारा मौसम सफा हुइठ । रुख्वा बरिख्वा फट्कारसे डेख्गिल । चाँद, लिज्जि ओ बुढनी घरओर नँगल कर्ठ ।

जन्निन्उपर शोषणके पितृसत्तात्मक स्वरुप

यि उपन्यासम कोर्विन ओ बुढनी बिच पहिल मजा घरबार चल्लसे फे बच्चा हुर्काइ बेर प्राकृतिक विपत्तिके कारण आहराके कमि भोकमरीके कारणसे जब कोर्विन आहारा खोज जाइठ् । कोर्विन समयम आहारा लेक आइ निसेकट । यहर बुढनीह आपन लर्कन का खुवाऊ कसिक बचाऊ कना बहुत सासट हुइठिस् । ऊ घटना बहुट कारुणिक बा । भुखाहि पर्ख मुस्वाके ज्यान गुमाइ पर्ठिस् । आँढिबौखा पानीक कारण आराके जिबन लिला समाप्ट हुइ पुग्ठिस् । आहारा खोज गिल कोर्विन तिन दिन पाछ आहारा लेक आइट त डुइठो लर्का मुवल थाहा पाइट् । ओठसे सब दोष जन्नी बुढनीक उपर लगाक गरैना, नैबोल्ना, बाँचल एकठो छाइ लिज्जिकठे लग्घु आइ निडेना । अत्रासम कि सिधे ठोरले चिठ जिना, हर रात हरदिन गारी भुवा किल कर्ना काम कोर्विन कर लागठ । बुढनीक उपर घरेलु हिंसा, मानसिक तनाव डिहट, असिक उपन्यासम पितृसत्तात्मक स्वरुप पाजाइठ ।

वास्तविक परिस्थितिक बात बिन बुझ्ल जन्निक उपर अन्याय अन्याचार कर्ना काम कोर्विन करठ । यि एकठो पितृसत्तात्मक लैङ्गिक शोषणको मूल स्वरुप हो । 'पितृसत्ताले आर्थिक, वैचारिक, कानुनी, सामाजिक आदि संरचनाके माध्यमसे अप्नह बल्गर बनैनाके साथ जन्निनम मनैनम आत्मविश्वास जाग निडेहक लाग अनेकौ प्रपञ्च कर्ठ (पौडेल,२०५९, पृ.८३) ।' पितृसत्तावादी सोच घरसे लेक राज्यक हर निकायम हाबि बा कना बात बुढनी उपन्यासम कोर्विनके घरेलु हिंसाम परल बुढनी न्याय ड्वार ढकढकाए गिलम अधिपति , धर्माधिकारीसे फे न्याय पाइ निसेक्ल हो ।

बुढनी निर्भिक निडर रलसे फे लैङ्गिक मूलभूत मान्यता पुरुष (ठ्न्वा) के आघ जन्नि मनैनके कुछ नैलागठ कना डेख्जाइठ । जन्नि मनैन वासना पूर्ति ओ लर्का जन्मैना साधन सम्झना ओ जन्निनके पिरा मातृत्व प्रेमके कुछ ख्याल नैकर्ना कोर्विन भारी सभा डरबारम फेन बुढनीह नोछे जाइठ । ओसहख न्यायके तराजु बोकल डरबारमे अधिपति, धर्माधिकारी, वकिल सबजे विषयके वास्तविक गहिराइ ओ यथार्थ बिन बुझ्ल मुँह हेर्क फैसला कर्ना नारीप्रतिके बर्खिलापम निर्णय हुइल डेख परठ् ।

कोर्विन ओ बुढनी सँग जिना सँग मुना कसम खाइल जर्मक जोऱ्या बुढनीह दुःखी अवस्थाम धोका डेना कामले पितृसत्ताके ढडढडी समाजम रलक यथार्थ प्रस्तुत कैल बा । मुवल लर्कनके वियोगम छट्पटाइल जन्निह मनक पिरा कम कराइ छोर्क मानसिक एवम् भौतिक आक्रमण कैक हिंसा कर्ना लैङ्गिक भेदभाव हुइल पाजाइठ । जन्नि मनै सद्द उत्पिडित हुइ पर्ना, हुक्र नै पुरुषके भोग कर्ना साधन बन पर्ना, पुरुषके आघ समर्पित हुइ पर्ना वैचारिक दृष्टिकोण उपन्यासम आइल बा ।

यि उपन्यासके मुख्य पात्र बुढनी हुई । बुढनीके केन्द्रियताम उपन्यासके घटनाक्रम आघ बह्रल बा । यि उपन्यासके मुख्य पुरुष पात्र कोर्विन हो । लिङ्गके आधारम पुरुष पात्र, कार्यके आधारम मुख्य पात्र, निम्न वर्गीय पात्रके आधारम मूल्याङ्कन कर सेक्जाइठ् । ओसहख केयट सहायक नारी पात्र हो । कोर्विनके पुरान संघर्या पाछ समयम बुढनीके सुखदुखम साथ डेना सहयोगी पात्रके रुपम चित्रित बा । अन्याय अत्याचार, दमन शोषणके विरुद्धम रज्वक डरबारम न्यायके लाग बुढनीह साथ डेना अविवाहित पात्र हो । अन्याय ओ अत्याचारके विरोधम बोल्ना पात्र हो । डरबारम कोर्विन बुढनीह ठोरले खोट्क ब्यला फे झर्रा छुट्यैना ओ कोर्विनहे डक्लैना काम समेत कर्ल बा । डरबारम लिज्जिक लाग एकठो डाइ पिरा बुझ्ल पात्र धर्माधिकारीके विरुद्ध आवाज उठैना पात्रके रुपम चित्रित केयत सहयोगी पात्र हो ।

धर्माधकारी, अधिपति पुरुष हुइलक कारण निम्नवर्ग नारीप्रति न्यायिक सहि फैसला नैकर्ठ यि पुरुषप्रधानके अवसेस घरम केल नाहि न्याय डेना ठाउँम फे बा कना बात उपन्यासम सशक्त रुपम डेखा परठ । डरबारम ठारु ओ जन्नि, मुस्वा ओ मैना, हरना ओ घोटरिक घटनाके मुद्दाके फैसलाम नारी पुरुषके कारणसे न्याय नैपलक ओ हिंसाके सिकार हुइ पर्लक घटना उपन्यासम आइल बा ।

धर्माधिकारी, अधिपति जबरजस्ती बुढनीह दोषी करार कैक आपन छाइसे रहना बैस्ना, पालपोस कर्ना, मैयासे वञ्चित करैलक पाजाइठ । समाजम शिक्षित वर्ग, ठूलाबडा, शासक वर्ग अप्नह उच्च कहुइया समाजम निम्न वर्ग, सिमान्तकृत वर्गउपर थिचोमिचो, अन्याय, अत्याचार शोषण कठ कना बातह प्रष्ट रूपम डेखगिल बा । निम्न वर्ग, सिमान्तकृत, निमुखा वर्गन कमजोर पारक लाग उच्च वर्गक मनै नियमके पालना नैकर्ठ । उल्ट नियम विगर्ठ कना बात यि उपन्यास वर्गीय दृष्टिकोणसे गरिब दुखीप्रति सहानुभूति प्रकट करल पाजाइठ ।

बुढनी उपन्यासम नारीवादी चेतना

बुढनी उपन्यासके घटनाक्रम प्रायः बुढनीके केन्द्रीयताम अघारि बह्रल बा । लिङ्गके आधारम जन्निपात्र, कार्यके आधारम मुख्य पात्र, जीवन चेतनाके आधारम प्रतिनिधिमूलक सचेत, क्रान्ति जुझारु पात्र, स्वाभावके आधारम गतिशील पात्रक रूपम डेखजाइठ् । लैङ्गिक चेतनाके माध्यमसे नारीवादी सचेतना प्रस्तुत कर्ना काम उपन्यासम नारी पात्र बुढनीके माध्यमसे हुइल बा ।

बुढनी निम्न वर्गके हुइलसे फे ऊ सुरुसे गतिशील, विभिन्न समस्यासे कसिक आघ बह्र परठ् कना ज्ञान आपन डाइबाबासे प्रशिक्षित पात्र हो । बहर्टि उमेरम मैया प्रेमम पर्ख विवाहित होख पारिवारिक बन्धनम बाँढल पात्रके रुपम डेख्जाइठ् । कोर्विनके मैया पिरिमम परल बुढनी अन्ततः भोज करठ् । कोर्विनह जिबन साथीके रुपम स्वीकर्ना, अंशिहृया हुइलम आरा पार्ख घोरै बैस्ख बच्चनके जन्म डेक हेरचाह कर्ना, आपन लर्कनके लाग आहराके बन्दोबस्त कर्ना ओ जसिन परिस्थितिम फेन प्रकृतिसे जुझ्ट सङ्घर्ष कर्ना विचार ढर्ना कलक नारी चेतनाके प्रकटीकरण हो ।

उपन्यासम कोर्विन ओ बुढनीक चारठो आरामध्ये टिनठो बच्चा आरा, लिज्जि ओ मुस्वाके जनम हुइल रठिन् । लम्मा समयसम पानी नापर्ख खडेरीके कारण हुकनक बैस्ना ठाउँके बन्वाम आगलागिके कारण विपत्ति हुइ पुग्ठिन् । खैना आहारा नाहोक भोकमरी पर्ठिन् । ऊ ब्याला एकठो परिवारम डाइ ओ बाबक भुमिकाह डेखगिल बा । कोर्विन लग्घु चाह्रा नैमिल्ना कारण महाडुर आहारा खोज जाइठ् । आहरा समयम नैअन्लक कारण भुखाहि पर्ख मुस्वाके ज्यान जैठिस् । बुढनी यहरओहर स्याकटसम आहरा खोजट् तर निपाइठ ।

दुसर दिन बराभारि आँढिबौखा पानी बर्सठ । आँढिबौखाके कारणसे आराके फे मृत्यु होए पुग्ठिस् । टिन दिन पाछ कोर्विन बिहान आहारा लेक आइठ् तर यहर ठाँठम सुन्यता, कारुणिक अवस्थाम लिज्जि ओ बुढनी रठ । लर्कन बचाइ निसेक्लक कारण बुढनीह दोषी करार कैजाइठ् । कोर्विन बुढनीप्रति सहानुभूति डेना ठाउँम गारिभुवा, घृणा, आक्रोस, कुटपिट कर्ना आपन लर्का लिज्जिसँग समेत बैस निदेना कर्लक कारण बुढनीके उपर दमन शोषण डेख्जाइठ् ।

जिन्गीसे हार खाइल बुढनी डुर जाइट् जहाँ मानसिक तनावसे मुक्त हेजाए सोचट । ओह ब्याला कोर्विन संघर्या केयत गोहिसे भेट हुइठिस् । तब जिन्गीसे हारल बुढनीक अवस्था बुझ्ल केयट न्यायके लाग सहयोगी सारथी बन पुगट् । केयट फे नारी पात्र हो । नारी बच्चा जन्माइ पर्ना, हुर्काइ पर्ना, स्याहार सुसार फे डाइ नै करपर्ना ओहम फे पुरुष (थारु) मनैनसे हप्क्वा, डप्क्वा, हिंसा सहे पर्ना ठिक निहो । असिन अन्यायके विरुद्धम न्यायके ड्वार ढकढक्याइ परठ् कैक केयट रज्वक डरबारम उजुरी डेना सल्लाह डिहट् । का जन्नि मनै किल चासो ओ घृणाके पात्र बन्ना हो ? जन्नि मनैन खेलौनाहस प्रयोग किल कर्ना का यह हो नारीन्के जीवन ? का सद्द नारी घृणाके पात्र बन्क बच्ना हो ? केयटमार्फत प्रकट करल नारी चेतना मजा दृष्टान्त हो ।

उपन्यासम उठाइ खोज्लक खास बात : एकदिन कोर्विन रिसोट्ले गुँजरल । पख्ना फटफटैटि बुढनीक पँज्रे गइल । उही ठाँठमसे बहार ढकेलल ओ डहियम नै पुगटसम रखेडल । डाइहे असिक कराइ डेख्के लिज्जि चिल्लाइल 'महि छोरके नाजाउ डाइ' बुढनी लिज्जिहे छोरे नै सेक्के घुमके ठाँठम पुग खोजठ । 'जिउमारि' बुढनीहे चोरि लगैटि कोर्विन जोरसे डौकल 'आपन लर्काके मर्ना डाइसे भारि घिनाहुन् बात का हुई ?' कोर्विन बुढनीहे सराप सराप गरियाइ लागल । जब कोर्विन बुढनीहे पिटे लागल । ओकर कपारिमे खोट्के लागल ओ उहिहे घुच्चेटे लागल । बुढनीहे उहाँसे बल्जबरै जाइ पर्ना हुइलिस् (पृ.३९) ।

असिक हमार समाजम जन्निन् घेरलु हिंसा कर्ना, घृणाके पात्र बनाक आरोपित कर्ना करल डेख्जाइठ । जन्निनके मर्म पिरा, बठ्ठा बुझ्ना कोसिस नै कैजाइठ । वास्तविक पिरा का हो ? जन्ना कोसिस नै कैजाइठ । यकर सिकार बालबच्चन भोग पर्ठिन् कना विषय उपन्यासके पहिल खण्डमे आइल बा ।

समाजम जबसम जन्नि ओ थारु (पुरुष)के समान हक अधिकार नै हुइ तबसम समाजम द्वन्द्वके अवस्था पलि रही यकर लाग थारु (पुरुष) जन्निन बराबर हक अधिकार हुइ परठ कना मूल्य मान्यताके बाधक कुइ फे हुइ निहुइट कना दृष्किोण उपन्यासम उठल बा ।

बुढनीके प्रभावके कारण अधिपति, धर्माधिकारीह फे नारी अस्मिता ओ मर्मके बोध हुइल डेखागिल बा । उपन्यासम निम्न वर्ग, महिला, सिमान्तकृत मनैनके फे जिबन बटिन् । जन्निन घृणा कर्ना ओ लर्का जन्मैना साधन किल मन्ना पितृसत्ता सोचम परिवर्तन आइपर्ना आवाज उठागिल बा । उपन्यासम नारी चेतना आइल पाजाइठ । पशु पन्छिन मानवीकरण कैक ग्रामीण निम्न वर्ग उपर हुइलक अन्याय अत्याचार शोषणके चित्रण करल पाजाइठ । अन्याय सहख निहुइट वाकर लाग अप्नह लरभिर सिक परठ । आपन अधिकार माङ्ख नाहि आछोर लिह परठ कना आवाज उपन्यास उठाइ खोज्ल बा ।

वास्तवम समाजम विद्यमान लैङ्गिक विभेद, जन्निन कठपुतलीके रुपम प्रयोग कर्ना सामाजिक तथा धार्मिक अन्धविश्वास ओ पितृसत्ताके आडम थारु (पुरुष) जन्निनके उपर कैजिना ज्याजटि ओ दुर्व्यवहारके यर्थाथ चित्रण कैक असिन प्रवृत्तिप्रति विद्रोह कर्ना सशक्त माध्यमके (बाँकी, ३ पेजमे)

संस्थागत विद्यालयके शुल्क कार्यान्वयनसे राप्ती गाउँपालिका पाछे हटलः

हालके लाग उ शुल्क कार्यान्वयन नैकैना निर्देशन

पहुरा समाचारदाता

दाङ ६ बैशाख । दाङके राप्ती गाउँपालिकासे शैक्षिक सत्र २०८३ के लाग संस्थागत विद्यालय ओर निर्धारण करल शुल्क कार्यान्वयनसे पाछे हटल बा ।

अभिभावके ढाड सेक्न करके गैल वैशाख ४ गते राप्ती गाउँपालिकासे प्रकाशित करल सुचना अनुसार भर्ना शुल्कसे मासिक शुल्क निर्धारण करलपाछे ओकर व्यापक रुपमे विरोध हुइटी रहल बा । देउखुरी टुडे लगायतके सञ्चार माध्यमके निरन्तर खवरदारी ओ अभिभावकके चर्को विरोधपाछे गाउँपालिका उ शुल्क कार्यान्वयन कैनासे पाछे हट्न बाध्य हुइल हो ।

गाउँपालिकासे अँटवार सूचना निकारके अभिभावक ओ सरोकारवालाके व्यापक जनगुनासो ओ विरोधपाछे गम्भीर चासो व्यक्त करटी गाउँपालिकाके अध्यक्ष प्रकाश विष्टके निर्देशनमे गाउँपालिका अन्तरगतके सक्कु संस्थागत विद्यालयहे वैशाख ४ गते स्वीकृत तथा प्रकाशित शुल्क कार्यान्वयन नैकैना नैकरैना निर्देशन डेहल बा । गाउँ कार्यपालिकाके कार्यालय, मसुरियासे जारी सूचनामे गाउँ शिक्षा समितिके बैठकसे स्वीकृत शुल्क सम्बन्धमे

अभिभावक तथा सरोकारवालासे आइल गुनासा, सुझाव ओ असन्तुष्टिहे मध्यनजर करटी यैसिन निर्णय करल उल्लेख बा । संस्थागत विद्यालयसे निर्धारण करल शुल्कमे स्थानीय सरकारसे आवश्यक पुनरावलोकन करके एकरूपता कायम करेपर्ना आवश्यकता डेखल सूचनामे उल्लेख बा । यी आघे विद्यालय सञ्चालक, व्यवस्थापन पक्ष ओ प्रधानाध्यापकसंग बार बार छलफल करलेसेफे शुल्कके विषयमे थप स्पष्टता आवश्यक डेखल गाउँपालिकासे जनैले बा । गाउँपालिकासे शिक्षा सम्बन्धी प्रचलित कानुनी व्यवस्था, शिक्षा नियमावली तथा शुल्क निर्धारण मापदण्डके आधारमे केल्ह शुल्क लागू करेपर्ना स्पष्ट परले बा । साथे अभिभावक ओ सरोकारवालासे आइल प्रतिक्रियाहे सकारात्मक रूपमे लेटी पुनः छलफल, अध्ययन ओ विश्लेषणपाछे केल्ह नयाँ निर्णय कैना जानकारी डेहल बा ।

यिहे बीच गाउँपालिकासे सक्कु संस्थागत विद्यालयहे स्वीकृत तथा प्रकाशित शुल्क तत्काल कार्यान्वयन नैकैना आग्रह करले बा । अइना दिनमे अभिभावक, विद्यालय ओ सरोकारवालाबीच समन्वय करके निष्पक्ष ओ व्यवहारिक शुल्क निर्धारण कैना जनाइल बा । गाउँपालिकासे विद्यालयके वर्गीकरण तथा अनुगमन प्रक्रिया समेत आघे बहैटी रहल ओ ओकर आधारमे शुल्क लगायतके विषयमे टुंगो लगैना बटाइल बा ।

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

जनजागृति सावउस परिवार

घोडाघोडी-१०, झिरोखा, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

मेगनम सावउस परिवार

घोडाघोडी-१२, वनवर्षा, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

सिर्जनशील सावउस परिवार

भजनी-९, भुरुवा, कैलाली

रानीकुन्डाके ....

देवी चौधरी ओ जगतराम चौधरी अपनेहुक्के सुरक्षित आवास पाके फोही लागल बटैलै । उहाँहुक्के कहलै, हम्रे असिन घर पैबी कना सपनामे सोचल नैरही, घर निर्माण हुइलपाछे बहुट खुशी लागल बा । सुरक्षित आवासमे दुई ठो सुटना कोठा, एक ठो भन्सा कोठा ओ चर्पीफे रहल बा । सुरक्षित आवास निर्माण समितिके अध्यक्ष तुल्सीराम चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे हृयाविट्याट फर हृयूमानिटी नेपालके कार्यक्रम संयोजक राममणि चौधरी, मन्त्रालयके सचिव शंकर शाह, आरडिएनके महासचिव पार्वती आग्री, कार्यक्रम संयोजक हुकुम सार्की, हृयाविट्याट फर हृयूमानिटी नेपालके इन्जिनियर प्राविधिक अनुजराज जोशीलगायत भल्मन्सा ओ स्थानीहुकनके उपस्थिति रहे । कार्यक्रमके संचालन गोरख निरौला करल रहिट ।

नारीवादी .....

रुपम आजके नारी स्रष्टाहुक्र उपन्यास विधाह रोजल डेख्जाइठ । यि बातह इन्दु थारुके बुढनी उपन्यासम सशक्त रुपम उठाइल बा । समाजम जर गार्ख बैसल पितृसत्ताके विरुद्धम नारीवादी चेतना फे उपन्यासम लेखकिय दृष्टिकोणको रुपम केयट बुढनीसे कहट :

'टुँ काहे रज्वा रज्वक मनै ओ कोर्विनके सुरटा करटो ? टुँ काहे ओइनहे जिटे डेहटो ? जबकि टुँ बहुट दुख खाँडसेक्ल बटो । टुँ आप आपन लाग सोचो, नै टे टोहारठे आब का बँचल बा ? यिहे रिस ? यि मनके टिट बा ओ अक्केलि मन बा (पृ.४५) ?'

असिक महिलाके पिरा, अन्याय परलम आपन ठञ्वाके कुकृत्यके भण्डाफोर कर्ना आपन न्यायके लाग आघ बह्न पर्ना विषयह लेखकीय दृष्टिकोण आइल पाजाइठ । भोज विहाके माध्यमसे जन्निन शोषण कर्ना, हिंसा कर्ना, बिचम बिचल्ली पर्ना परम्पराह भत्काइक लाग नारी जाग परठ । उठ परठ । पिराम रिस पाल्ख न्याय मिल नैस्याकट कना नारी हक ओ स्वतन्त्रताके वकालत कैगिल डेख्जाइठ । बुढनी उपर हुइलक अन्यायके विरोधम ढेर सङ्घर्ष हुइल बा । समतामूलक समाजके स्थापना, पितृसत्तात्मक एकाधिकारके अन्त्य, नारी अस्तित्वके खोजी, सहअस्तित्वके कामना ओ पुरुषवादी हैकमके विरोध उपन्यासके केन्द्रीय कथ्य हो ।

वर्गीय, लिङ्गीयके खस्मोराइ

बुढनी उपन्यासम वर्गीय समस्याह फे प्रस्तुत कैगिल बा । वर्गयुक्त समाज टिहुपर थारु समुदाय फे वर्गीय दृष्टिकोणले निम्न वर्गउपर कठोर जिबन, हुकनक उपर हुइना शोषण, निम्न वर्ग ओ उच्च वर्गबिचके सङ्घर्ष यि उपन्यासके मूल पक्ष हो । ओसहख लिङ्गीय समस्या, भेदभाव, शोषण दमनसे मुक्तिके खोजि फे कैगिल बा । उपन्यासम उच्च वर्ग ओ निम्न वर्गबिच वर्गीय द्वन्द्व सिर्जना हुइल बा । उपन्यासम उच्च वर्गके प्रतिनिधि पात्र अधिपति, धर्माधिकारी, कमाण्डर बट कलसे निम्न वर्गके पात्र सूर्या, बरघर, बुहुर्वा, पिरा परल जन्नि मनैया, बुढनी बाट ।

उच्च वर्गक मनै जैहुया फे निम्न वर्ग मनै डर ओ ढम्कि फैल्वाख पुस्तौसम शोषण दमन कैना मनसाय रठिन् कना बात अधिपति, धर्माधिकारी कानुनके किताबह हठियार बनैना, उज्जर मुँस्वाह बलि चह्नाइक लाग पक्रना, गाउँ मनै आपन मिहिनेतले अनाज उत्पादन करल ब्यालाम सिपाही लगाख लुट्ना, गरिब जन्निह न्याय नाडेक मालिक पक्षम फैसला कर्ना, फुटाऊ ओ शासन करो कना हिसाबले गरिब किसानके विरुद्धम गरिब लौव बस्टिक मनैन प्रयोग कर्ना, न्युनत्तम आपन हक अधिकारसे बन्चित हुइ पर्ना यर्थाथ उपन्यासम पाजाइठ । यिहीले हमार समाजम निम्न वर्गक मनै न्यायके महसुस कर निसेक्ठ कना वास्तविकताके पिराके पर्दाफास बुढनी उपन्यास कर्ल बा ।

'समाजम अवस्थित वर्गीय एवम् लैङ्गिक विभेदह पुँजीवादसे गठबन्धनम रहल पितृसत्तासे लग्घ मानठ ओ साहित्यमफे पुँजीवाद गठबन्धनके अन्त्य करपर्ना आकांक्षा ओ प्रयत्नम रह पर्ना ठानट (त्रिपाठी,२०६९,पृ.९४) ।' बुढनी उपन्यासम पितृसत्तात्मक मानसिकताह मातृपक्षीय कोणसे हृयार पर्ना उठान कर्ल बा । समाजम लैङ्गिक विभेदके सँगसँग वर्गीय विभेद फे बा । यकर अन्त्य हुइलाक निम्न वर्ग ओ जन्नि मनै एक ठाउँम ठिहाक पुँजीवादी प्रवृत्तिह अन्त्य कर पर्ना आवाज बुलन्द हुइल पाजाइठ ।

निष्कर्ष

नारी चेतना, चिन्तन, शिक्षा ओ सञ्चारके विकाससँगसँगे विश्वव्यापी रुपम फैलटि गइल नारीवाद थारु भाषा साहित्यम भर्खर पौली सर्टि बा । बुढनी उपन्यास नारीवादी सिद्धान्तम आधारित स्वैरकल्पनात्मक मौलिक उपन्यास हो । यकर कथावस्तु मानवेतर एवम् मानवीय पात्रसे प्रस्तुत कैगिल बा । पितृसत्तात्मक सामाजिक परिवेशम जन्नि मनै भ्वाग पर्ना पिरा, दुःख, वेदना ओ जटिल परिस्थितिके चित्रण एवम् असिन प्रवृत्तिप्रति आपन तिब्र विरोध प्रकट कर्ना क्रमम नारीवादी चिन्तन आघ आइल डेख्जाइठ ।

'बुढनी' उपन्यासम समाजम शिक्षित वर्ग ओ ठूलावडा शासक वर्ग नै थिचोमिचो, अन्याय, अत्याचार दुर्व्यवहार कठ कना बात डेखागैल बा । वर्तमान समाजम अहमिन्फे पितृसत्तात्मक सोचके कारण बुढनी असक कैयो नारी पिरा, बठ्ठाम बात । न्याय डेना ठाउँम कानुन एकठो डेखावा किल हो, शासक वर्ग कानुनके किताब डेखाक सर्वहारा वर्ग ओ जन्नि मनै न्याय पाइ नैसेक्ल हुइट कना बात फरछ्वारसे आइल बा । कानुनके दुरुपयोग कर्टि झुठके हठियारके रुपम प्रयोग कठ कना सामन्त वर्गके अवशेस हमार समाजम जर गार्ख रलक बातके पर्दाफास कैगिल बा ।

प्रकृति, जिव जिनवार, मनैनके सम्बन्ध सदियौसे जोरल बा । हम्र एकदोसरमे निर्भर बाटि लेकिन यकर संरक्षण कर्ना काम फे मनैनके हो कना सङ्केत उपन्यासम आइल बा । तर शासक वर्ग प्रकृति वन जङ्गलसे आपन स्वार्थ पूर्ति कर्ना काममे केल प्रवृत्त रलक डेखाइट । समाजम महिला उपर दमन, शोषण कर्ना सामाजिक विकृति र विसङ्गतिह चिरफार कैगिल बा ।

उपन्यासम आइल पुरुष पात्र कोर्विन, अधिपति, धर्माधिकारी, कमाण्डर, सिपाही आदि पात्रहुक्र जन्नि ओ निम्न वर्गप्रति डेखाइल दुर्व्यवहारले खल पात्रके रुपम चित्रित बाट । शासक वर्ग कमजोर ओ गरिबीके फाइदा उठाइक लाग विभिन्न प्रपञ्च रच्ना कर्ठ । बुढनी, बरघर, बुहुर्वा मनैया, केयत, सूर्या डाइ आदि पात्र गरिब गुरुवन ओ जन्निनके सहयोग करपरठ कना असल पात्रके रुपम लिह सेक्जाइठ । बाबा बघवा यि उपन्यासके अन्याय कर्ना चाहे जे हुइलसे फे इँटके जवाफ पठ्ठरसे डिह परठ कना क्रान्तिकारी जुझारु पात्र ओ अन्यायके विरुद्धम लर्ना जोढा पात्र हो ।

बुढनी पात्रके माध्यमसे आपन हक अधिकार ओ न्यायके लाग जन्निन् स्वयम अप्नेहे जाग परठ, सचेत हुइ परठ ओ पितृसत्ताके विरुद्धम ठिहाइ परठ कना वकालत कर्ल बा । सामाजिक सांस्कृतिक रुपान्तरणके लाग विद्रोह फे जरुरी बा यकर लाग निडर ओ सङ्घर्ष जरुरी रलक बोध करैल बा । स्वयम् जन्नि मनै अप्नेहे जाग परठ, सचेत हुइ परठ ओ आपन हक अधिकारके लाग, स्वतन्त्रताके लाग पितृसत्ताके अन्त्य कर्टि समतामूलक समाजके निर्माण जरुरी रलक डेखागिल बा ।

उपसंहार :

"बुढनी" उपन्यास नारी जीवनके आधारभूत समस्या, प्रेमिका, पत्नी र डाइके अस्तित्वमूलक समाधान खोजल बा । जन्निन ढरटि असक चुपचाप अन्याय सहना सहनसिल, अप्न पिरा भोग्ख, जोबन लुटाख फे विद्रोह निकर्ना निबोल्ना त्यागी र संयमी, क्रुर ठञ्वाके हप्कि डुप्कि सह पर्ना समाजम पुरुषप्रधान सत्ताके विसंगति तथा नारिनके उपर कैजिना अत्याचारके विरोधम बुढनी ठिहाइल बटि । यि उपन्यासम पुरुषप्रधान समाजम नारिनके अस्तित्व बुढनी खोज्ल बाटि । पुरुष (थारु) के अत्याचारके विरोध एवम् न्याय डेना ठाउँम जुन पुरुष न्यायके खोस्टा डेखाक झुठके हठियार बनैल बाट ऊ निम्न वर्ग ओ दुखी जन्नि मनै कबु न्याय पाइ निसेक्ना जिवनके बोध हो कना बात स्पष्ट कैगिल बा ।

भाषा, शैलीगत, परिवेशगत ओ अवश्यकताअनुरुपके भाषा, शैलीके सही तरिकाले बेल्सल पाजाइठ । मानवेतर पात्रके मानवीकरण कैक परिवेश फे स्वैरकल्पनात्मक बन पुगल बा । विषयवस्तु ओ पात्रअनुसार सुहैना मेरिक भाषा प्रयोग कैल डेख्जाइठ । दर्शनम आधारित हुइलक ओहर्से भाषिक क्लिष्टता ओ कथ्य भाषाके प्रयोग हुइल बा । सरल, मिश्र ओ संयुक्त वाक्यके प्रयोग, छोट-छोट मिठ, आलङ्कारिक, पदविचलन ओ अनुकरणात्मक शब्दके प्रयोगले थप सुन्दर बन पुगल बा । प्रथम एवम् तृतीयपुरुष दृष्टिविन्दुम लेखिल यि उपन्यासम संवाद योजनाक आँखिले हेरबेर सुन्दर देख्जाइठ । 'बुढनी' उपन्यासके कथानक विन्यास पहिल ओ दुसर खण्ड कैख क्रमशः आदि, मध्य ओ अन्तिमके शृङ्खलाम बाहान्गिल बा । यि उपन्यासके केन्द्रीय पात्र बुढनीके कार्यव्यापारके आधारम कथानकके निर्माण कैगिल यि उपन्यास चरित्रप्रधान उपन्यास कह सेक्जाइ । यकर कथानकले जन्निनके अस्तित्वह पुरुषप्रधान सामाजिक मानसिकताले स्वीकार नैकर्ना प्रेम ओ कर्तव्यक मूल्यस्खलन हुइल पाजाइठ कना मूलभूत पक्षह डेखागिल बा ।

बुढनी उपन्यासम तराई परिवेशके बन्वा, गाउँ सहरके परिकल्पनाम स्वैरकल्पनात्मक परिवेश बनाइल पाजइठ । बन्वा, गाउँ ओ सहरके परिवेशम पात्रके सम्पर्क र सङ्घर्षके कार्यव्यापारह प्रभावकारी रुपम उद्घाटन कैगिल बा । यि उपन्यासके कालिक परिवेश माओवादी द्वन्द्व कालके हो कना अनुमान करे सेक्जाइठ । मानवीय पात्र ओ मानवेतर पात्रके समिश्रणम लिखल बुढनी उपन्यासके स्थान परिवेश फे काल्पनिक बा । लेकिन थारु समुदायके रिटभाँट, चालचलन आदि सांस्कृतिक परिवेशले तराईके गाउँ बस्टिक झल्को डेहट कलसे सहरके रुपम सदरमुकाम ओ काठमन्डु राजधानीहे अनुमान कर सेक्जाइट ।

बुढनी उपन्यासके भासा अत्यन्त थारु कथ्य भाषाके प्रयोग ओ पुरान मौलिक रलसे फे क्लिष्ट ओ परिष्कृत बनल बा ।

ओस्टक मानवेतर पात्रके मानवीकरण कैलक ओहर्से भासा,शैली ठनिक अन्ख्वाहर लागठ । पात्रअनुसार ठेट अर्गानिक थारु भाषाके प्रयोग कैगिल उपन्यास विशिष्ट बनल बा । ठाउँ-ठाउँम कवितात्मक गिडके स्वाद पाजाइठ । कौनो कौनो ठाउँम थारु मौलिक शब्द पठ्राह ढुंगा, फोक्साह फोक्सा कैगिल बा, कहु कहु भासिक बिचलन फे डेख्जाइठ । द्वन्द्वको सशक्त चित्रण, आलङ्कारिक तथा तार्किक अभिव्यक्तिके चित्रणम इन्दुके विशिष्टता पाजाइठ । विशेषतः बुढनीक बोलल वाक्यम न्यायिक अगुवाप्रति गहिर व्यङ्ग्य पा जाइठ ।

बुढनी उपन्यास आयामके आधारम मध्यम आकारके बा । उपन्यास दुई खण्डम बाट्गिल बा । एक सय त्रिचालिस पेजम रहल यि उपन्यासम दश पेज आघ ओ पाँच पेज पाछ पृष्ठ सङ्ख्या नैखुलाइल हो । उपन्यासके कभर मध्यम खालक बा, कभरके डिउ डिउम बनागिल चित्र थारुपन झल्कना परम्परागत भित्ताचित्र ओ अष्टिम्की चित्रके झल्को डिहट । यिहीले थारु संस्कृतिके बोध कराइठ । उपन्यासके मूल पात्र बुढनी जो मानवेतर पात्र कौवा ओकर चित्र ओ एकठो लाल डाना आहाराके सङ्केत कैल चित्र डेख्जाइठ ।

इन्दु थारु नारीवादी जीवनदृष्टिह अवलम्बन कैख बुढनी उपन्यासके रचना कैगिल पा जाइठ । विभिन्न पात्रके तर्क वितर्कले आकर्षक बनागिल बुढनी उपन्यासह भाषाशैलीके रोचक प्रयोगशैलीले उत्कृष्ट बनैल बा । आधुनिक थारु औपन्यासिक क्षेत्रम पितृसतात्मकवादी परम्पराह चुनौत डेटि नारी वर्गके समतामूलक उपस्थितिके वकालत करल पा जाइठ ।

सन्दर्भ सूची :

गौतम, कृष्ण (२०५९). आधुनिक आलोचना: अनेक रुप अनेक पठन. काठमाडौँ: साझा प्रकाशन, ।

थारु, इन्दु (सन् २०२५). बुढनी. सफु किहोतेज् कोव प्रालि ललितपुर ।

पौडेल, तुलसीराम (२०५९). लैङ्गिक अध्ययनको रुप रेखा. काठमाडौँ निमापुस्तक प्रकाशन ।

प्रधान, प्रतापचन्द्र(२०४०). नेपाली उपन्यास परम्परा र पृष्ठभूमि. दार्जिलिङ्ः दिपा प्रकाशन ।

बर्मा, धेरेन्द्र (१९९५). हिन्दी साहित्यकोष, भाग-१ ते.सं. ज्ञानमण्डल प्रकाशन, ।

बराल, ऋषिराज (२०५२). मार्क्सवाद र उत्तरआधुनिकवाद. विराटनगरः सविता बराल ।

बराल, ऋषिराज (२०६४). साहित्य र समाज. काठमाडौँ. साझा प्रकाशन ।

भट्टराई, रमेशप्रसाद (२०७७). आधुनिक नेपाली उपन्यासको सांस्कृतिक (वर्गीय, लैङ्गिक र जातीय) विश्लेषण. काठमाडौँः भुँडीपुराण प्रकाशन ।

भट्टराई, रमेशप्रसाद (२०७७). सांस्कृतिक (वर्गीय, लैङ्गिक र जातीय) अध्ययनको सिद्धान्त र नेपाली सन्दर्भ. काठमाडौँ : भुँडीपुराण प्रकाशन ।

सर्वहारी, कृष्णराज (२०७३).थारु साहित्यको इतिहास. काठमाडौँ. नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान ।

सुवेदी, राजेन्द्र (२०५६). नेपाली उपन्यास परम्परा र प्रवृत्ति. वाराणसीः भूमिका प्रकाशनः ।

त्रिपाठी, सुधा (२०६९). नारीवादी सौन्दर्य र चिन्तन. काठमाडौँ. भृकुटी एकेडेमिक पब्लिकेशन ।

विषादीरहित टिना उत्पादनमे किसान

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, ६ बैशाख । यहाँके किसान विषादीरहित प्राकृतिक टिना उत्पादनमे लागल बटै । मानव स्वास्थ्य ओ माटी संरक्षणके लाग यहाँके एक सय ४० किसान विषादीरहित टिा खेती करे लागल हुइट ।

विषादीके प्रयोगसे मानव स्वास्थ्यमे प्रतिकूल असर पर्ना बुझलपाछे प्राकृतिक टिना खेती ओर लागल किसान बटैठै । उ किसान आठठा कृषक समूह बनाके टिना खेती करटी रहल जनाइल हुइट ।

टीकापुर– १ के वनगाउँ ओ शङ्करपुर, वडा नं २ के राजीपुर ओ सीतापुर, वडा नं ३ के घीया, वडा नं ५ नुक्लीपुरमे समूह बनाके टिना खेतीओर लागल हुइट ।

टीकापुर–१ वनगाउँस्थित असल चमेली कृषक समूहके अगुवा किसान मीनबहादुर चौधरी विषादी न्यूनीकरण ओ सुरक्षित खाद्य तत्व संरक्षणके लाग तीन बरससे खेती करे लागल बटैलै । “माटीके उर्वरा शक्ति बह्दैना, ढेर उत्पादन लेना ओ जैविक जीवाणु संरक्षण तथा स्वस्थ तरकारी उत्पादनमे जैविक प्राकृतिक खेतीमे लागल बटी”, उहाँ कहलै, “हम्रे नैजानके माटी ओ स्वास्थ्यमे खेलवाड करटी रहल बटी कना बुझलपाछे यहाँर लागल हुइटी । खेतीमे रासायनिक मल ओ विषादी नैडरठी, घरमे जैविक विषादी बनाके प्रयोग करटी रहल बटी ।”

किसान घरमे जैविक, घरेलु मल बनैना करल बटै । मल बनाइक लाग झारपात, सरल गलल् टिना, पिसाब आदि प्रयोग करजाइठ् । वनगाउँमे रहल कृषक समूहमे १५ जाने किसान आबद्ध रहल बटै । इ किसान कोइ पाँच कटठा टे कोइ १५ कटठा जमिनमे टिना खेती करटी रहल बटै ।

इ बेला यहाँके बारीमे काक्रा, कोहँरा, लौका, भिन्डी, मिर्चा, टमाटरलगायतके टिनाटावन रहल बा । पाछेक समय उपभोक्ता फेन विषादीरहित उत्पादनके महत्त्व बुझलपाछे बारीमे टिना किने अइटी रहल बटै । बचल टिना टीकापुर बजारमे लैजाके हाटबजारमे बिक्री कैना करल चौधरी जानकारी डेलै ।

टीकापुर नगरपालिकासे अर्गानिक टिना खेती करुइया किसानके सहजताके लाग हाटबजारमे छुट्टै ‘स्टल’ के व्यवस्था कैडेले बा । अइसीक अर्गानिक खेती करलेसे फेन बजार मूल्य अन्य टिना सरह हुइबर अपनेहुक्रे मर्कामे परल किसानके गुनासो रहल बा । किसान रुविना चौधरी विषादीरहित ओ अर्गानिक टिनाके मूल्य फरक हुइ पर्ना बटैली ।

“हम्रे मानव स्वास्थ्य ओ वातावरण संरक्षणमे योगदान पुग्ना मेरके उत्पादन करटी रहल बटी, मने बजार मूल्य भर अन्य टिना जस्टे रहल बा”, उहाँ कहली, “इहीसे हम्रे मारमे परल बटी । आब सक्कु जाने हमार मेहनत बुझे परल, विषादी नैडारल टिना उत्पादक किसानहे प्रोत्साहन कैना उपभोक्ता ओ सरकार फेन गम्भीर बने परल ।”

किसानके जीविकोपार्जनमे सुधार ओ उपभोक्ताके स्वास्थ्य लाभके लाग प्राकृतिक टिना खेतीमे लग्ना सेवक नेपाल नामक संस्थासे सहयोग करटी रहल बा । यम्ने टीकापुर नगरपालिकाके फेन सहकार्य रहल बा ।

सेवक नेपालके परियोजना अधिकृत प्रेम चौधरी संस्थासे समूहमे आबद्ध एक सय ४० जाने किसानहे प्राकृतिक खेतीके लाग बीउबिजन, प्रविधि ओ अन्य प्राविधिक सहयोग करटी रहल बटैलै । किसानहे विषादी ओ रासायनिक मल प्रयोग करे नैडेना सचेत करैनाके साथे विकल्पके रूपमे स्थानीयस्तरमे पाजैना सामग्री प्रयोग कैके झोल मल बनैना सिखाइल उहाँ जानकारी डेलै ।

लागु औषध सहित ६ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ६ बैशाख । कञ्चनपुर बेलौरी न.पा.१० सडकसे तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

कञ्चनपुर पुनर्वास न.पा. ३ बैठना बर्ष २४ के बिजय गिरीसे चलाइल सु.प.प्र.०१–०१३ प.२६८१ नं.के मोटर साइकलहे शंका लागके चेकजाँच करेबेर पाछे बैठल वडा नम्बर ७ बैठना बर्ष २१ के अमन तामाङ ओ चितवन भरतपुर महानगरपालिका १४ शिवनगर बैठना बर्ष २४ के रोहन बि.कहे २ ग्राम १९० मिलिग्राम अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन ओ ट्रमाडोल क्याप्सुल ५ पिससहित पक्राउ कैगिल बा । ओस्टे कञ्चनपुर पुनर्वास न.पा.५ पैसठ्ठी बिघासे वर्ष २० के रोहन तामाङसे चलाइल प्रदेश ३–०९२ प १११ नम्बरके मोटर साइकलपाछे बैठल बर्ष २२ के बिरेन्द्र रानाहे ९ ग्राम ४३० मिलिग्राम अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ कैगिल बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर कृष्णपुर न.पा.९ राजघाटसे लागुऔषध खैरो हेरोइन ५८ मिलिग्राम वर्ष ३१ के अनिल रानाहे पक्राउ कैगिल बा ।

भारत–नेपाल सीमामे सुरक्षा कडाइ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ६ बैशाख । भारत–नेपाल सीमा क्षेत्रमे सुरक्षा व्यवस्था थप कडाइ कैना तथा अवैध गतिविधि नियन्त्रण कैना उद्देश्यसे भारतीय सशस्त्र सीमा बल ओ नेपालके सशस्त्र प्रहरी बल बीच समन्वय बैठक सम्पन्न हुइल बा ।

भारतके बसही (खीरी) क्षेत्रमे सीमा स्तम्भ नम्बर ७६९/२१ (पुरान स्तम्भ नम्बर २००) लग्गे आयोजित बैठक ४९औँ वाहिनी एसएसबीके कमाण्डेन्ट शेर सिंह चौधरीके निर्देशनमे बी कम्पनी बसहीके कम्पनी कमाण्डर रामकुमार यादवके नेतृत्वमे सम्पन्न हुइल हो ।

बैठकमे सीमा क्षेत्रमे हुइना अपराध नियन्त्रणके लाग डुनु देशके सुरक्षा निकायबीच आपसी समन्वय सुदृढ कैना, सूचनाके आदान–प्रदान कैना ओ सीमा पार आवतजावत करुइया व्यक्तिनके परिचयपत्र कडाइके साथ जाँच कैना निर्णय करल बा । साथे लागुऔषध ओसारपसार, मानव तस्करीलगायत गम्भीर अपराध नियन्त्रणके लाग निगरानी बह्दैना ओ ओइसीन समन्वय बैठक नियमित रूपमे कैना सहमति जनाइल बा ।

नेपाल ओरसे एपीएफके प्रभारी विजय प्रताप सिंह, सहायक उप–निरीक्षक दीपेन्द्र बुद्धसहित हिमालय राणा, बलराम चौधरीलगायत सुरक्षा कर्मी सहभागी रहल रहिट । भारत ओरसे एसएसबीके निरीक्षक रामकुमार यादव, रामाशीष कुमार मेहता, राजेश पिन्टु, हरिश, हेमराज गुर्जर, हिमांशु ओ सुनील कुमारके उपस्थिति रहल रहे ।

सौहार्दपूर्ण वातावरणमे सम्पन्न बैठकमे डुनु पक्ष सीमा क्षेत्रमे शान्ति, सुरक्षा ओ कानून व्यवस्था कायम रख्ना आपसी सहयोगहे थप मजबुत बनैना प्रतिबद्धता दोहोऱ्याइले बटै ।

“लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

हरियाली सावउस परिवार

भजनी–९, खुरहुरिया, कैलाली

राष्ट्रिय आर्थिक गणना, २०८२ सफल पारौं !

"अर्थतन्त्र मापनको लागि आर्थिक गणना"

- आर्थिक गणना किनः देशमा सञ्चालित उद्योग, प्रतिष्ठान तथा व्यवसायको वास्तविक अवस्था पहिचान गरी वस्तुनिष्ठ नीति निर्माणको लागि आधारभूत तथ्याङ्क प्राप्त गर्न,
- गणना अवधिः २०८३ वैशाख २ गतेदेखि असार ७ गतेसम्म,
- कसलाई समेट्नेः सबै उद्योग, व्यापार, व्यवसाय, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संस्था, बैंक तथा सेवाप्रदायक निकायहरू।

तथ्याङ्क ऐन, २०७९ अनुसार विवरण पूर्ण गोप्य रहनेछ।

सत्य-तथ्य विवरण दिऔं, राष्ट्र निर्माणमा योगदान गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

शंकर सावउस परिवार

जोशीपुर–३, बन्जरिया, कैलाली

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

घोडताल सावउस परिवार

भजनी–९, हिम्मतपुर, कैलाली

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९